Regarding need to establish educational institute on the land of closed down Swadeshi Cotton Mill in Mau city, Uttar Pradesh-Laid

श्री राजीव राय **(**घोसी**) :** मऊ को कभी पूर्वी उत्तर प्रदेश में कपड़ा बुनकरों का गढ़ माना जाता था, लेकिन समय के साथ यूपी स्टेट स्पिनिंग कंपनी लिमिटेड और स्वदेशी कॉटन मिल की इकाई के बंद होने से शहर की औद्योगिक छवि में भारी बदलाव आया है । इसके परिणामस्वरूप क्षेत्र के लोगों के लिए बेरोजगारी और अभूतपूर्व कठिनाई पैदा हुई हैं, जिससे युवाओं को देश के अन्य औद्योगिक शहरों में पलायन करना पड़ रहा है और अकुशल मजदूरों के रूप में काम करना पड़ रहा है ।

जिले के ताजपुर औद्योगिक क्षेत्र के समुचित विकास पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय परदहा में बंद पड़ी मिल की 85 एकड़ भूमि को विकसित करने का निर्णय चिंता का विषय है. क्योंकि क्षेत्र में औद्योगिक पार्क के परिणामस्वरूप शहर के हृदय स्थल में शहरी नियोजन और पर्यावरणीय मुद्दों से संबंधित नई चुनौतियां पैदा होंगी । अनुरोध है कि स्वदेशी कॉटन मिल की 85 एकड़ भूमि का उपयोग मेडिकल/इंजीनियरिंग कॉलेज, विश्वविद्यालय, कौशल प्रशिक्षण संस्थान आदि जैसे शैक्षणिक संस्थानों को विकसित करके अधिक बुद्धिमानी और तर्कसंगत तरीके से किया जाए, जिससे पूरे क्षेत्र के लोगों को कई तरह से लाभ होगा और विशेष रूप से मऊ और आसपास के जिलों के युवाओं को मदद मिलेगी ।